VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS 01 SEP 2018

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1069)

Name of Candidate	Ravi Kumar Siharg		
Medium Eng./Hindi	Hindi	Registration Number	168117
Center	MN	Date	01/09/18

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	
13	20	
14	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **FOURTEEN** questions printed in **ENGLISH & HINDI**.
   इसमें चौदह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

M-1/4, Plot No-A-12/13, Ist Floor, Ansal Building, Dr. Vidya Sagar Homeopathic Clinic, Mukherjee Nagar, Delhi-110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Answer the following questions in not more than 150 words each:

1. **(a)** Growing awareness about terminal as well as mental illness has given credence to the idea of "living wills". What is a living will? Discuss the ethical issues to be considered from an individual as well as social perspective to formulate and implement it. **10**

मरणांतक (टर्मिनल) के साथ-साथ मानसिक रोगों के संबंध में बढ़ती जागरूकता ने "लिविंग विल" के विचार को स्वीकृति प्रदान की है। लिविंग विल क्या है? इसे तैयार करने और कार्यान्वित करने के लिए व्यक्ति के साथ-साथ सामाजिक परिप्रेक्ष्य से विचार किए जाने वाले नैतिक मुद्दों की चर्चा कीजिए।

लिविंग विल से तात्पर्य जीवित रहते हुए अपनी मृत्यु के संबंध में की गई घोषणा से है जिसके अन्तर्गत व्यक्ति किन्हीं विशेष परिस्थितियों में (असाध्य रोग से पीड़ित होना) इच्छामृत्यु को प्राप्त कर सकता है।

लिविंग विल तैयार करने संबंधी मुद्दे

(क) व्यक्ति की स्वेच्छा (free will) का मुद्दा।
→ व्यक्ति ने स्वस्थ शरीर व मन से घोषणा की हो
→ उस पर अनुचित बाह्य दबाव न होकर
→ चूंकि किसी भी निर्णय की नैतिकता का मापन 'संकल्प की स्वतंत्रता' से ही निर्धारित होता है अतः व्यक्ति को पूर होशो - हवास में विशिष्ट परिस्थितियों एवं निर्णय न लेने की स्थिति में व्यक्ति

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जो निर्णय कर सके, का नाम भी उजागर करना चाहिये।

क्रियान्वयन से संबद्ध मुद्दे

(क) क्रियान्वयन से पहले व्यक्ति की जाँच होनी चाहिये, उसके परिजनों के बयान आदि ताकि राज्य के 'जीवन की सुरक्षा' प्रदान करने के दायित्व की अनदेखी न हो।

(ख) जाँच करने वाले मेडिकल डॉक्टरों की नैतिकता का मापन करके ही उन्हें यह कार्य सौंपा जाना चाहिये।

(ग) इच्छामृत्यु स्वयं में अनैतिक नहीं है परन्तु किसी दबावों की जाँच 2 से 3 स्तरों पर करके ही 'निष्क्रिय इच्छामृत्यु' को अंजाम दिया जाना चाहिये।

स्पष्ट है कि शांतिपूर्वक मरने का अधिकार भी नैतिकता की परिधि में है अतः विशेष परिस्थितियों में सामाजिक प्रभावों को ध्यान में रखकर इसे प्रदान किया जाना चाहिये।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. **(b)** In order to improve the bureaucratic work culture and productivity, there is a need to downsize government and privatize some of the services. Critically discuss with examples. 10

नौकरशाही कार्य संस्कृति और कार्यदक्षता में सुधार लाने के लिए, सरकार का आकार छोटा करने और कुछ सेवाओं का निजीकरण करने की आवश्यकता है। उदाहरणों के साथ आलोचनात्मक चर्चा कीजिए।

किसी भी ऑफिस में कर्मचारियों का व्यवहार, ऑफिस की फिलोसॉफी (काम के प्रति व कर्मचारियों के प्रति), कर्मचारियों की काम के प्रति अभिवृत्ति आदि को मिलाकर ही कार्यसंस्कृति का जन्म होता है। इसी प्रकार निश्चित समय में निश्चित कार्यों (परिणाम व गुणवत्ता) को करने की दर दक्षता कहलाती है।

सरकार का आकार छोटा करना

लाभ

- कार्यों की प्रक्रियाओं में लगने वाला समय कम।
- फाइलों को कम स्तरों से गुजरना पड़ता है
- स्वीकृति प्रदान करने में समय कम लगता है।

चुनौती

- कार्य का बोझ एक व्यक्ति पर बढ़ जाता है।
- विशेषीकरण होने की संभावना कम हो जाती है।

- उदाहरण के लिये 2014 में भारत की नई

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

सरकार द्वारा मंत्री समूहों की समाप्ती करने से निर्णय क्षमता में सुधार हुआ है परन्तु कार्यभार बढ़ने से 'अदृश्य मंत्री समूहों' की स्थापना की सूचना भी प्राप्त हुई है।

निजीकरण

लाभ - प्रतिस्पर्द्धा को बढ़ावा।
- निजी क्षेत्र की विशेषज्ञता, प्रबंधन क्षमता प्राप्त होती है।
- पब्लिक सर्विस डिलीवरी सिस्टम में सुधार होना चालू हो जाता है।
- उसके निष्पादन के फलस्वरूप सरकारी विभागों पर भी काम का दबाव बढ़ता है।
- 'मेरिट व रिवार्ड' पद्धति का विकास होता है

चुनौती :- निजी क्षेत्र के विनियमन व सेवाओं के मूल्य वृद्धि की चुनौती।

इस प्रकार निजीकरण (आउटसोर्सिंग) का अच्छा प्रभाव कर्नाटक में अध्यापकों का स्थानान्तरण की प्रक्रिया, जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र बनाना आदि के स्तर पर देखी गई है, जिनके अच्छे प्रभाव दिखाई पड़े हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. **(a)** Examine the contemporary relevance of Gandhiji's talisman as a means of resolving ethical dilemmas in day to day life. **10**

दैनिक जीवन में नैतिक दुविधाओं का समाधान करने के एक साधन के रूप में गांधीजी के मंत्र की समकालीन प्रासंगिकता का परीक्षण कीजिए।

गांधीजी का मंत्र है कि, "जो कुछ भी तुम करते हो, उसे करने से पहले एक बार यह सोच लो कि इसका प्रभाव देश के सबसे दरिद्र, पिछड़े व्यक्ति पर क्या पड़ेगा। इस प्रकार उसकी स्थिति पर विचार करने से तुम्हें निर्णय लेने में आसानी होगी।"

वर्तमान समय में किसी व्यक्ति के दैनिक जीवन में असंख्य दुविधाएँ मुंह बाये खड़ी है तो इस मंत्र की प्रासंगिकता पुनः उभर आती है। जैसे -

(क) आज के उपभोक्तावादी युग में मनुष्य अपने सामाजिक दायित्व भूलकर व्यक्तिगत स्वार्थों को प्राथमिकता प्रदान करता है। यदि वह उपर्युक्त मंत्र का प्रयोग करे तो 'सामाजिक बनाम व्यक्तिगत' के द्वन्द्व में उसे जूझना नहीं पड़ेगा।

(ख) एक व्यक्ति अपने सार्वजनिक पदों के

कर्तव्यों व पारिवारिक कर्तव्यों में सार्वजनिक पदों को तरजीह प्रदान करने में सक्षम हो जाता है।

(ग) 'आर्थिक लाभ (रिश्वत) एवं ईमानदारी के द्वन्द्व' में वह ईमानदारी को चयन करेगा क्योंकि इसके द्वारा सार्वजनिक फंड का प्रयोग सामाजिक न्याय के कार्यों में हो सकेगा।

(घ) यदि कोई व्यक्ति राजनेता है तो भी वह 'पार्टी बनाम राष्ट्र' के द्वन्द्व को पार कर राष्ट्रीय मुद्दों को प्राथमिकता प्रदान करेगा।

(ङ) सत्यनिष्ठा, ईमानदारी प्रतिबद्धता, संवेदना, समानुभूति जैसे मूल्यों का विकास होगा क्योंकि ये मूल्य पिछड़े व्यक्ति के बारे में सोचने से उत्पन्न होंगे जो अन्ततः दुविधाओं का निराकरण करेगा।

इस प्रकार व्यवहारिक स्तर पर पूर्णतः संभव न होने पर भी साधारण जीवन के दुविधा निराकरण में इस मंत्र की भूमिका असंदिग्ध है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (b) "Intelligence plus character–that is the goal of true education." Assess whether such an objective can be achieved within the existing system of education in India. 10

"बुद्धिमत्ता (प्रज्ञता) के साथ चरित्र निर्माण - सही शिक्षा का मकसद होना चाहिए।" आकलन कीजिए कि क्या वर्तमान भारतीय शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत इस उद्देश्य की प्राप्ति की जा सकती है।

किसी भी शिक्षा प्रणाली का उद्देश्य रोजगार प्रदान करना नहीं वरन् चरित्र निर्माण हेतु मूल्यों का विकास करना भी होता है। उदाहरण के लिये स्कैंडिनेवियन देशों के उच्च मानव विकास के पीछे वहाँ की उच्च शिक्षा प्रणाली व उसमें व्याप्त नारीवादी मूल्यों का होना है।

वर्तमान शिक्षा प्रणाली की मूल्य विकास में भूमिका

सकारात्मक पक्ष
- अभी-भी गुरु, बड़ों का सम्मान जैसे मूल्य व्याप्त।
- अनुशासन पर ज़ोर देने की परंपरा।
- शिक्षक के पद को आज भी मूल्य-प्रदाता का पद समझा जाता है।
- टीम भावना, नेतृत्व, लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास।

नकारात्मक पक्ष
- शिक्षा का व्यवसायिकरण होने से पारंपरिक

मूल्यों की अपेक्षा।

- मेरिट पर अधिक बल न कि चरित्र निर्माण पर (अंकों की संस्कृति)।
- नकलबाजी, शिक्षकों के अपराध, स्कूली फंड में धांधली जैसे तत्व आज की शिक्षा प्रणाली पर सवाल खड़े करते हैं।
- मूल्यों को व्यावहारिक रूप में सिखाने जैसे- नाटकों, अभिनयों, एन.एस.एस (NSS) खेल भावना के माध्यम से सिखाने पर कम बल दिया जाता है।
- गलाकाट प्रतिस्पर्द्धा के युग में आगे निकलने की होड़ समस्त मूल्यों को दरकिनार कर देती है।

इस प्रकार आज की शिक्षा प्रणाली बुद्धिमत्ता के पक्ष पर तो बल है सही है पर मूल्य विकास पर तुलनात्मक रूप से कम।

आगे की राह - (i) 'भावनात्मक बुद्धिमत्ता' पर बल।
(ii) 'नैतिकता' विषय का समावेशन हो।
(iii) अंकों के बजाय अन्य पक्षों पर विचार हो।
(iv) नाटकों, NSS आदि के माध्यम से प्रोत्साहन मूल्य विकास पर।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(a)** "A blanket prohibition of criticism of the policies of the Government is invalid and void, and it makes no difference if the person criticizing happens to be a government servant." Critically discuss in the context of Civil Service Conduct Rules, 1964. 10

"सरकार की नीतियों की आलोचना का पूर्णतया निषेध अमान्य और शून्य है, और यदि आलोचना करने वाला व्यक्ति एक सरकारी सेवक है तो इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता।" सिविल सेवा आचरण नियमावली, 1964 के संदर्भ में आलोचनात्मक चर्चा कीजिए।

सिविल सेवा आचरण नियमावली, १९६४ के अनुसार कोई भी सिविल सेवक सरकार की नीतियों, निर्णयों की आलोचना नहीं कर सकता है।

इस संहिता के कारण कई बार नीति-निर्माण में कोई त्रुटि रह जाने पर चूंकि इनका क्रियान्वयन सिविल सेवकों द्वारा ही किया जाता है, अतः इस संहिता के कारण वे कोई आलोचना या टिप्पणी नहीं कर सकते हैं। और, यदि करते भी हैं तो अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाती है।

इस प्रकार इस प्रावधान के कारण निम्न मुद्दे उभरते हैं -

(क) लोकतंत्र की कार्यप्रणाली - चर्चा की

संस्कृति' पर आधारित होती है। इसलिए चर्चा के अन्तर्गत आलोचना का अधिकार भी होना चाहिये।

(ख) सिविल सेवक पहले मानव है, बाद में सेवक। अतः मानवता के हित में उसे भी कुछ शर्तों के साथ आलोचना का अधिकार होना चाहिये।

(ग) सरकार नीतियाँ बनाती है तो वे निश्चित उद्देश्यों की पूर्ति करनी चाहिये। यदि ऐसा न हो तो उनमें संशोधन करने की अपील सिविल सेवक द्वारा अच्छे से की जा सकती है क्योंकि ये जिला स्तर पर कार्य करते हैं व जनता से जुड़ाव/निकटता रखते हैं।

हालांकि सामान्य नागरिक जितने अधिकार न देकर; केवल विशेष मामलों में निश्चित शर्तों व नियमों के स्तर पर संयमित रूप में प्रश्न उठाने का अधिकार सिविल सेवक को प्रदान किया जा सकता है।

3. **(b)** "Man by nature is a political animal". Explain with reference to Aristotle's idea of the state in life of the society. **10**

"मनुष्य स्वभावतः एक राजनीतिक प्राणी है।" समाजिक जीवन में अरस्तू के राज्य संबंधी विचार के संदर्भ में व्याख्या कीजिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (a) What are the factors that have influenced the contemporary attitude of the state and the society towards homosexuality in India? Also, comment on the changing attitude and the factors driving this change. 10

भारत में समलैंगिकता के प्रति राज्य और समाज की समकालीन अभिवृत्ति को प्रभावित करने वाले कारक क्या हैं? साथ ही, बदलती अभिवृत्ति और इस परिवर्तन को लाने वाले कारकों पर भी टिप्पणी कीजिए।

कोई भी नैतिकता काल, स्थान निरपेक्ष नहीं होती। समय के साथ परिवर्तन आना लाजमी है क्योंकि विकास के साथ नैतिक पैमाने भी बदल जाते हैं। समलैंगिकता के संबंध में भारतीय समाज अभी भी प्रगतिशील नहीं हो पाया है। कारण निम्न हैं-

(क) धार्मिक कारण :- लगभग सभी धर्मों में समलैंगिकता को 'पाप' कहा गया है चूंकि भारत में धर्म की जड़े काफी गहरी हैं अत: ये ही अभिवृत्ति लोगों में भी आयेगी।

(ख) सामाजिक कारक :- समाज के स्तर पर भी इन्हें उपेक्षा द्वारा देखा जाता है। पितृ-सत्तात्मकता ने जो पुरुष प्रधान समाज बनाया है, वह समलैंगिक संबंधों की इजाजत नहीं देता।

(ग) सड़कों पर समलैंगिकों के प्रति सामान्य लोगों

का व्यवहार बच्चों में भी 'प्रेरणात्मक कंडीशनिंग' पैदा करते हैं।

चूंकि राज्य का निर्माण सामाजिक समझौते का ही प्रतिफल है अतः वहाँ भी इस प्रकार की ही अभिवृत्ति दिखाई पड़ती है।

हाल के वर्षों में इस अभिवृत्ति में दरारें पड़ने लगी हैं। हालिया 'ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के अधिकारों' को सुनिश्चित करने वाला बिल। सुप्रीम कोर्ट के कुछ निर्णय इस संबंध में बुद्धिजीवियों व एन.जी.ओ. की भूमिका के सन्दर्भ में इस बात की पुष्टि की जा सकती है जिसके कारण निम्न हैं -

(क) मेडिकल साइंस द्वारा समलैंगिक होने को प्राकृतिक घटना मानना।

(ख) बढ़ते पाश्चात्य अधिकारों के प्रभाव।

(ग) ट्रांसजेंडरों द्वारा अधिकारों की मांग

(घ) धर्म की उदारपूर्वक व्याख्या करने वाले धार्मिक नेता आदि ने भी इस अभिवृत्ति को परिवर्तित करने के लिये कुछ कदम उठाये हैं। हालांकि अभी लंबी दूरी तय करना बाकी है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. **(b)** With behavioural issues and suicides among children on the rise, teachers and parents need to play an active part in ensuring mental well-being. Discuss. Also, explain the importance of emotional intelligence in this regard. **10**

बच्चों में व्यवहार संबंधी मुद्दों और आत्महत्या के बढ़ते मामलों के कारण मानसिक स्वास्थ्य सुनिश्चित करने में शिक्षकों और माता-पिता को एक सक्रिय भूमिका निभाने की आवश्यकता है। चर्चा कीजिए। साथ ही, इस संबंध में भावनात्मक बुद्धिमत्ता (प्रज्ञता) के महत्व की व्याख्या कीजिए।

आज के शहरीकरण, तकनीकी के यांत्रिक युग में बच्चों का बौद्धिक विकास के साथ-साथ भावनात्मक विकास करना आवश्यक हो गया है। बिना भावनात्मक अवलंब के, इनके व्यवहार में परिवर्तन आ जाता है, साथ ही थोड़ा सा तनाव इन्हें आत्महत्या की ओर ले जाता है।

शिक्षक की भूमिका	माता-पिता की भूमिका
- पढ़ाई का अधिक बोझ न दें - बच्चों के साथ भावनात्मक जुड़ाव लाने का प्रयास करें। - पैरेंट्स मीटिंग का नियमित आयोजन - कला व अन्य सक्रिय कार्यक्रमों का	- बच्चों को समय देना ज़रूरी ↓ अन्यथा गैजेट्स से जुड़ाव बढ़ता है ↓ नकारात्मक- हालिया ब्लू व्हेल गेम कांड। - संयुक्त परिवार में बच्चों का पालन करना (जहाँ तक संभव हो।)

आयोजन बढ़ाना।	- शिक्षकों को उचित जानकारियाँ - (कार्य निष्पादन के संबंध में लेते रहना)

भावनात्मक बुद्धिमत्ता का महत्व

शिक्षक के स्तर पर:-

- बच्चों की संवेदनाओं, इच्छाओं, पीड़ाओं की जानकारी मिल सकेगी।
- स्वयं के अच्छे भाव संप्रेषित कर पायेगा।

माता-पिता के स्तर पर

- बच्चों के तनावों, समस्याओं को समझ पायेंगे
- उनकी समस्या का निराकरण उनके तरीके से करने में सक्षम होंगे

बच्चों के स्तर पर

- गैजेट्स में नहीं बल्कि अपने सहपाठियों से संप्रेषण व संवाद बढ़ायेंगे।
- तनाव प्रबंधन कर पायेंगे।

इस प्रकार भावनात्मक बुद्धिमत्ता बच्चों के व्यवहार व बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति पर लगाम लगाने में एक अच्छा प्रयास सिद्ध होगी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(a)** The policy of Dhamma advocated by Ashoka through his edicts remains relevant in the context of issues in public life even today. Elucidate with examples. 10

अपने अभिलेखों के माध्यम से अशोक द्वारा समर्थित धम्म की नीति आज भी सार्वजनिक जीवन के मुद्दों के संदर्भ में प्रासंगिक है। उदाहरणों के साथ स्पष्ट कीजिए।

आज से 2300 वर्ष पूर्व ही अशोक ने अपने धम्म की नीति के द्वारा जो विचार प्रस्तुत किये थे वे आज भी अपनी महत्ता में बेजोड़ हैं। अशोक की नीति के प्रमुख प्रावधान व उनकी समकालीन प्रासंगिकता निम्न हैं -

(क) अशोक ने स्वयं को प्रजा का 'पिता तुल्य' घोषित किया और कहा कि "प्रजा के सुख में ही राजा का सुख है।" ~~और~~

यह नीति समकालीन सन्दर्भ में अत्यन्त महत्वपूर्ण है। सिविल सेवकों व राजनेताओं में जनता के प्रति संवेदना जागरूक करने में यह नीति सहायक सिद्ध हो सकती है। प्रधानमंत्री द्वारा स्वयं को 'जनता का सेवक' कहना यही परिलक्षित करता है।

(ख) बौद्ध धर्म का प्रचार पर अन्य धर्मों के विरोध में नहीं → आज के युग में

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बढ़ती साम्प्रदायिकता व दंगों के संबंध में सरकार को उचित मार्गदर्शन प्रदान कर सकती है।

(ग) अमर्त्य सेन ने अशोक की बौद्ध संगीति को लोकतंत्र का प्रथम उदाहरण (भारत में) माना है। उनकी धम्म नीति चर्चा के फलस्वरूप उपजी है। आज के युग में भी लोकतांत्रिक मूल्यों के संवर्धन व पिष्ट-पोषण कर समावेशी विकास में यह नीति प्रासंगिक है।

(घ) धम्म नीति के अहिंसा जैसे मूल्य आज के 'मॉब लिंचिंग' जैसी प्रवृत्तियों पर लगाम लगा सकते हैं।

(ङ) धम्म नीति में निहित 'लोक-कल्याण' का पक्ष आज की मनरेगा जैसी योजनाओं में देखने को मिलता है।

इस प्रकार आज भी यह नीति अपने मूल्यों से भारतीय जनमानस व सार्वजनिक जीवन का मार्गदर्शन कर सकती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(b)** Arguably, poverty is not only a matter of statistics. It is a reflection on the kind of society we live in. In this context, discuss the ethical implications for a society that witnesses high incidence of poverty. **10**

तर्कसंगत रूप से, निर्धनता केवल आंकड़ों की विषय-वस्तु नहीं है। हम जिस समाज में रहते हैं, यह उसकी प्रकृति का एक प्रतिबिंब है। इस संदर्भ में, उस समाज के लिए नैतिक निहितार्थों की चर्चा कीजिए जहाँ निर्धनता व्यापक रूप में विद्यमान है।

निर्धनता के सामाजिक पक्षों पर विचार करें तो यह बहुत संभव है कि आँकड़ों के बजाय सामाजिक पक्षों पर विचार करके इसे उन्मूलन के प्रयास प्रभावी हो जायें। समाज की जिस प्रकार की प्रवृत्ति होती है निर्धनता का स्तर पर उसी पर निर्भर करता है।

एक उदाहरण से समझा जा सकता है यदि समाज समतावादी मूल्यों में विश्वास करता है जहाँ आधुनिक मूल्य समानता, स्वतंत्रता आदि प्रचलित हैं तो गरीबी का स्तर कम होगा क्योंकि ये मूल्य उसका चरित्र विकास कर उसे उद्यमशीलता की ओर प्रेरित करते है। उदाहरण के लिये प्राचीन रूढ़ीवादी ग्रामीणों में सामंती, वर्णव्यवस्था जैसे

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मूल्यों की उपस्थिति के कारण निर्धन तबके की मनःस्थिति ही दबने वाली हो जाती है जिससे वह अपना विकास नहीं कर पाता।

इसी बात का दूसरा पक्ष है कि गरीबी की अवधारणा आर्थिक न होकर बहुआयामी भी है इसमें राजनीतिक स्वतंत्रता, निर्णय क्षमता, विकल्पों की बहुलता, सशक्तिकरण भी शामिल है। साथ ही सामाजिक सुरक्षा भी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। इसी आधार पर अमर्त्य सेन ने अपनी पुस्तक में केरल के कम आय वाले व्यक्ति को भी सऊदी अरब की महिला से अमीर बताया है

नैतिक ~~मूल्यों~~ निहितार्थ (गरीब समाज में)

(क) आधुनिक मूल्यों का प्रसार - समानता/स्वतंत्रता

(ख) पिछड़े वर्गों को उनके अधिकारों की मांग से जोड़ देना।

(ग) सामाजिक सुरक्षा सूचकांक का प्रयोग करना न कि केवल आर्थिक सूचकांकों का।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Every superstition cannot be removed by the force of law. For that, a mental change is necessary. Comment. Also, explain how educators and public figures can help in eradicating superstition and instilling scientific temper among people. 10

कानून के बल पर प्रत्येक अंधविश्वास का निराकरण नहीं किया जा सकता है। इसके लिए मानसिक परिवर्तन आवश्यक है। टिप्पणी कीजिए। साथ ही, व्याख्या कीजिए कि किस प्रकार शिक्षक और प्रतिष्ठित व्यक्ति लोगों में अंधविश्वास को समाप्त करने और वैज्ञानिक मनोवृत्ति विकसित करने में सहायता कर सकते हैं।

किसी भी मान्यता, रूढ़ि पर बिना तार्किक तरीकों पर विचार किये विश्वास करना अंधविश्वास कहलाता है। आज के वैज्ञानिक युग में भी अंधविश्वासों के रूप में हमारी जड़ता जगजाहिर हो जाती है। महाराष्ट्र व ~~कान~~ कर्नाटक के कानून तो स्वागतयोग्य है पर सबसे पहले हमें अभिवृत्ति परिवर्तन पर कार्य करना होगा।

शिक्षक व प्रतिष्ठित व्यक्तियों की भूमिका :-

(क) संज्ञानात्मक स्तर पर

(A) विद्यालयों में बच्चों को तर्क करना, वाद-विवाद करना सिखाया जाये। किसी विषय पर बिना जाँच के विश्वास न करने की अभिवृत्ति विकसित की जाये।

(B) अक्षय कुमार, परेश रावल, आमिर खान

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

की फिल्में 'ओह माय गॉड' व 'पी.के' इस दिशा में सराहनीय कदम हैं। ऐसी फिल्मों को प्रोत्साहन देकर, कर में राहत दी जाये।

(ग) प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों द्वारा जनसामान्य की भाषा में गल्प लेखन (fiction writing) को बढ़ावा दिया जाय, ताकि वैज्ञानिक मूल्यों का विकास हो।

(घ) शिक्षकों को चाहिये कि वे छात्रों के साथ-साथ माता पिता को भी इस प्रक्रिया में समायोजित करें ताकि बच्चे की अभिवृत्ति में पारिवारिक व विद्यालयी स्तर पर विसंगति न हो।

(2) भावनात्मक स्तर पर
- अंधविश्वासों के दुष्परिणाम बताकर।
- प्रभावित लोगों की मनोदशा का वर्णन कर संवेदना विकास करने में।
- 'नरेन्द्र दाभोलकर' जैसे कार्यकर्ताओं की कहानियाँ सुनाई जाय।

इस प्रकार निम्न उपायों द्वारा इस समस्या का निराकरण करना कानून का पूरक होगा।

7. Many argue that there are times, when war is morally permissible, and even obligatory. Critically discuss. 10

कई लोग तर्क देते हैं कि कई बार ऐसा होता है, जब युद्ध नैतिक रूप से अनुमत, और यहां तक कि अनिवार्य भी होता है। आलोचनात्मतक चर्चा कीजिए।

युद्ध के संबंध में चर्चा करने पर हम पायेंगे कि इसके संबंध में दो मत प्रचलित हैं।

(क) परिणाम निरपेक्षवादी मत:- कांट जैसे विचारकों (एवं हीगल भी) के अनुसार यदि नियम ऐसा हो कि युद्ध करना कर्तव्य बन जाये तो युद्ध करना अनिवार्य है। हीगल तो युद्ध को मानवतावाद के विकास के 'अनिवार्य शर्त' मानते थे।

परन्तु (ख) परिणाम सापेक्षतावाद के अन्तर्गत 'उपयोगितावादी नजरिये' से देखें तो युद्ध अनैतिक है क्योंकि युद्ध में 'महत्तम व्यक्तियों का महत्तम लाभ' प्राप्त नहीं होता। पांच पांडवों का अपने राज्य प्राप्ति हेतु लाखों व्यक्तियों को मौत के मुंह में धकेल देना इस नजरिये से उचित नहीं माना जा सकता।

इस प्रकार दोनों विचारधाराओं पर विचार करने पर निम्न निष्कर्ष निकाल सकते हैं -

(क) व्यक्तिगत स्वार्थ हेतु लड़ा गया युद्ध अनैतिक है परन्तु मानवता की रक्षा हेतु लड़ा गया युद्ध नैतिक। इस दृष्टि से राम की रावण पर विजय को नैतिक मानेंगे।

(ख) युद्ध को नैतिक अनुमति केवल अंतिम स्थिति में ही प्रदान की जानी चाहिये, उससे पहले निम्न चरण हों -

बातचीत → P2P वार्ता → वाद-विवाद → सौदेबाजी → मध्यस्थता → युद्ध हो भी तो 'नो फर्स्ट यूज'

अतः युद्ध को अनिवार्य न बनाकर विशेष स्थितियों में ही नैतिक मानना चाहिये तथा इसमें लड़ने वाले का इरादा, नैतिक मूल्यों की रक्षा, मानवता का कल्याण जैसे तत्व निहित हों।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. It has been argued that traditional approaches to corporate social responsibility (CSR) are inadequate. Discuss. Also, examine the role of Social License to Operate (SLO) in this regard. 10

यह तर्क दिया गया है कि कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) के प्रति पारंपरिक दृष्टिकोण अपर्याप्त है। चर्चा कीजिए। साथ ही, इस संबंध में परिचालन हेतु सामाजिक अनुज्ञप्ति (Social License to Operate: SLO) की भूमिका का परीक्षण कीजिए।

'कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व' कंपनियों के ऊपर एक नैतिक बाध्यता है जो यह सुनिश्चित करती है कि चूंकि कंपनियाँ अपने संसाधनों के दोहन द्वारा समाज पर नकारात्मक बाह्यताएँ उत्पन्न करती है अतः उनका यह उत्तरदायित्व है कि समाज के हित में कार्य करे।

सी. एस. आर. के पारंपरिक दृष्टिकोण के अनुसार कंपनियाँ अपने निश्चित लाभ का 2% सामाजिक विभिन्न सामाजिक परियोजनाओं में निवेश करती थी। हालाँकि इस प्रक्रिया में शिक्षा क्षेत्र, अवसंरचना आदि क्षेत्र में लाभ हुआ है परन्तु -

(क) गरीबी, बाल विकास पर कम व्यय।
(ख) फंड के उचित निवेश की प्रक्रिया का पूर्णतः सुनिश्चित न होना।

(ग) विभिन्न सेक्टरों में बढ़ती असमानता।

साथ ही कंपनी को छूट रहती थी कि वह अपने फंड का उपयोग अपनी मर्जी से कर सकती है। इस कारण उपर्युक्त परिस्थितियाँ उत्पन्न हुई है।

सोशल लाइसेंस टू ऑपरेट के तहत कंपनी के फंड के व्यय का निर्धारण व स्वीकृति समाज के स्तर पर होती है कि कहाँ व्यय किया जाये, कितना व्यय किया जाये आदि।

लाभ

- सेक्टोरल विषमता कम होगी।
- जन सहभागिता बढ़ेगी
- सामाजिक अपेक्षाओं का ध्यान रखा जायेगा।
- C.S.R. का मूल उद्देश्य पूरा होगा।

चुनौतियाँ

- प्रक्रियागत समस्याएँ
- स्वीकृति पाना जटिल क्योंकि समाज में सहमति बनाना कठिन
- कंपनी पर दबाव बढ़ सकता है।

⇒ उचित प्रक्रिया व नियम निर्धारित कर C.S.R के उद्देश्यों को और पूर्णता प्रदान की जा सकती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

9. A renowned and critically acclaimed producer-director has come up with a new movie based on retelling of the freedom movement. The trailer of this project depicts prominent freedom fighters and various aspects of their personalities. It is a project that involves substantial sums of money and has taken collaborative efforts of 3 years. However, certain political and social activists have objected to what they perceived as negative portrayal of some freedom fighters. As such, they have opposed the release of this movie and issued threats with serious consequences. This has come in the context of increase in the number of instances involving many groups issuing threats against one or the other movie. In such a context you have been designated as the head of a special committee with the broad responsibility of reviewing the film certification process in general as well as the checking the historical accuracy of the events depicted in this particular movie. **20**

एक प्रसिद्ध और समीक्षकों द्वारा प्रशंसित निर्माता-निर्देशक एक नई फिल्म लेकर आए हैं। यह फिल्म स्वतंत्रता आंदोलन की कहानी को दोहराती है। इस फिल्म का ट्रेलर प्रमुख स्वतंत्रता सेनानियों और उनके व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं को दर्शाता है। यह एक ऐसी फिल्म है जिसमें काफी बड़ी धनराशि लगी है और 3 वर्षों का सहयोगी प्रयास लगा है। हालांकि, कुछ राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कुछ स्वतंत्रता सेनानियों के निरुपण को नकारात्मक मान कर आपत्ति की है। इस प्रकार, उन्होंने इस फिल्म के रिलीज का विरोध किया है और गंभीर परिणामों की धमकियां दी हैं। यह एक या किसी अन्य फिल्म के विरूद्ध धमकी देने वाले कई समूहों से जुड़े उदाहरणों की संख्या में वृद्धि से संदर्भित है। इस प्रकार के संदर्भ में आपको सामान्य रूप से इस फिल्म के प्रमाणन प्रक्रिया की समीक्षा करने के व्यापक उत्तरदायित्व के साथ-साथ इस विशेष फिल्म में चित्रित घटनाओं की ऐतिहासिक सटीकता की जांच करने वाली एक विशेष समिति का प्रमुख नामित किया गया है।

(a) Who are the key stakeholders you would involve as part of the consultation process?

वे प्रमुख हितधारक कौन हैं जिन्हें आप परामर्श प्रक्रिया में सम्मिलित करेंगे?

(b) What are the principles that you would consider while giving your recommendations to the government? Also, provide an outline of a solution that you deem appropriate in the prevailing context.

सरकार को अपनी अनुशंसाएं देते समय आप किन सिद्धांतों पर विचार करेंगे? साथ ही, एक ऐसे समाधान की रूपरेखा प्रदान कीजिए जिसे आप प्रचलित संदर्भ में उचित मानते हैं।

प्रस्तुत केस स्टडी एक कलाकार की मानसिक सर्जना एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ साथ व्यापक सामाजिक हित

के बीच द्वन्द्व को प्रदर्शित करती है। साथ ही इसमें इतिहास की व्याख्या के साथ-साथ हाल के वर्षों में फिल्मों व समाजों के मध्य उपजे तनावों की भी अभिव्यक्ति है।

प्रमुख हितधारक

(क) दर्शक :- वे दर्शक ही हैं, जिनके लिये फिल्म बनाई जा रही है। फिल्म निर्माण में कोई भी विसंगति दर्शकों को प्रभावित करेगी।

(ख) निर्माता - निर्देशक :- उनका हित अपनी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के साथ साथ आर्थिक पक्ष व समय से भी जुड़ा है जिसका निवेश उन्होंने इस फिल्म के निर्माण में भी किया है।

(ग) राजनीतिक व सामाजिक कार्यकर्ता :- उनका विरोध अपनी जाति के छवि के साथ साथ व्यापक सामाजिक ताने-बाने को प्रभावित करने से संबंधित है।

(घ) स्वतंत्रता सैनानियों के परिजन :- सैनानियों के बारे में फिल्म में की गई कोई भी टिप्पणी

उनकी पीढ़ी के लोगों को प्रभावित करेगी। अतः उन्हें भी शामिल करना जरूरी है।

सरकार को परामर्श देने के प्रमुख सिद्धान्त :-

(क) अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता बनाम सामाजिक हित में किसे चयनित किया जाये।

(ख) विरोधकर्ताओं के विरोध का स्वरूप क्या है ?

(ग) वस्तुनिष्ठ या आत्मनिष्ठ इतिहास व्याख्या का प्रश्न।

(घ) बौद्धिक संपदा अधिकार एवं सामाजिक शांति के सिद्धान्त पर

अतः उपर्युक्त परिस्थिति में सबसे पहले

(क) वरिष्ठ समीक्षकों (जिनकी ख्याति उच्च हो, का समूह बनाकर फिल्म की वस्तुनिष्ठ समीक्षा करवाऊँगा)

(ख) चूंकि इतिहास की व्याख्या वस्तुनिष्ठ नहीं होती एवं विभिन्न विचारधाराओं के परिप्रेक्ष्य में इसमें परिवर्तन की भी व्यापक संभावना होती है तो विभिन्न

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

विचारधाराओं के इतिहासकारों को समिति में दाखिल कर उनका विचार जानूँगा।

(ग) साथ ही राजनीतिक व सामाजिक विरोधकर्ताओं को भी आमंत्रित कर उनका पक्ष भी फिल्म निर्माताओं, समीक्षकों के समक्ष रखकर उनमें संवाद बढ़ाने का प्रयास करूँगा।

इस प्रकार यदि परस्पर संवाद द्वारा मुद्दे का निष्कर्ष निकलता है तो ठीक, नहीं तो निम्न कदम उठाये जाने चाहिये।

(क) ऐतिहासिक सटीकता के संबंध में किसी फिल्म से शत प्रतिशत सटीकता की अपेक्षा नहीं होती। कोई भी लेखक मनः स्थितियों के स्तर पर विचार करता है। वह तथ्यों में नहीं उलझता। अतः मनः स्थितियों के संबंध में थोड़ी अनिवार्यता स्वीकार्य है, अन्यथा लेखन व इतिहास में अंतर नहीं रहेगा।

(ख) यदि सचमुच ऐसा है कि तथ्य मरोड़े-तोड़े गये हैं तो फिल्म-निर्माताओं से

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उसमें सुधार करने को कहूँगा।

(ग) यदि सुधार हो जाता है तो फिल्म को सर्टिफिकेट के स्तर पर उचित सर्टिफिकेट प्रदान किया जायेगा जो कि उसके प्रभावों के सन्दर्भ में होगा।

(घ) अगर अपेक्षित सुधार कर लिया जाता है तो विरोधकर्ताओं को समझाया जा सकता है परन्तु उन्हें धमकाने का लाइसेंस नहीं दिया जा सकता क्योंकि ऐसा करने से विरोध की संस्कृति पैदा हो जायेगा जैसा कि पुरानी फिल्मों उड़ता पंजाब, पद्मावत आदि के संबंध में देखने को मिली थी।

(ड.) उचित सुझाव सेनानियों के परिजनों से भी लिये जा सकते हैं।

(च) साथ ही, फिल्म निर्माताओं व समीक्षकों के लिये एक संहिता का निर्माण भी किया जा सकता है।

अतः इन उपायों द्वारा मैं उपर्युक्त केस को हल कर पाऊँगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. There have been reports of repeat instances of mob lynching in different states of India. It has been pointed out that these presumably faceless mobs gather impromptu on the basis of unverified information on issues that affect the collective conscience of the society such as child trafficking, sexual harassment, cow slaughter etc. Most of the people don't even regret their action of violating the law and even get away with committing such a heinous crime. **20**

भारत के विभिन्न राज्यों से बार-बार मॉब लिंचिंग (भीड़ द्वारा हत्या) के उदाहरणों की रिपोर्टें आई हैं। यहाँ गौर करने वाली बात यह है कि यह संभवत: चेहराविहीन भीड़ बाल तस्करी, यौन उत्पीड़न, गोवध आदि जैसे समाज के सामूहिक अंतःकरण को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर असत्यापित जानकारी के आधार पर तत्काल इकट्ठा हो जाती है। यहां तक कि इनमें से अधिकांश लोगों को कानून का उल्लंघन करने के कृत्य पर पश्चाताप भी नहीं होता है और साथ ही इस प्रकार का जघन्य अपराध करके वे बच भी निकलते हैं।

(a) What are the socio-psychological factors that motivate people to join the mob and kill fellow human beings?

लोगों को भीड़ में सम्मिलित होने और साथी मनुष्यों की हत्या करने के लिए प्रेरित करने वाले सामाजिक-मनोवैज्ञानिक कारक कौन-से हैं?

(b) Identify the implications of increasing crime of lynching on society.

समाज पर लिंचिंग (भीड़ हत्या) के बढ़ते अपराध के निहितार्थों की पहचान कीजिए।

(c) Examine the role of social media in recent instances of mob lynching. As a law enforcement officer, how will you prevent such incidents from happening in your district?

लिंचिंग (भीड़ हत्या) के हाल के दृष्टांतों में सोशल मीडिया की भूमिका का परीक्षण कीजिए। कानून प्रवर्तन अधिकारी के रूप में, आप अपने जिले में ऐसी घटनाओं को होने से कैसे रोकेंगे?

भारत में मानवता को शर्मसार कर देने वाली इस प्रकार की घटनाओं के कारक एक-आयामी न होकर बहुआयामी हैं।

प्रमुख सामाजिक-मनोवैज्ञानिक कारक :-

(क) समाज में हालिया व्याप्त असहिष्णुता का बढ़ना।

(ख) धार्मिक कट्टरपंथी नेताओं द्वारा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

धार्मिक विद्वेष, घृणा फैलाना।
(ग) मनोविज्ञान के स्तर पर फ्रॉयड के शब्दों में कहें तो भीड़ में व्यक्ति का 'ईगो' 'ईड' में रूपान्तरित हो जाता है एवं उसका 'सुपर ईगो' जो उस पर नैतिक बाध्यताएँ आरोपित करता है, वह समाप्त हो जाता है।
(घ) समाज में गरीबी, बेरोजगारी से व्याप्त असंतोष भी इसी प्रकार की घटनाओं को अंजाम देता है। जिसके कारण (बेरोजगारी) के कारण आज के युवाओं में कुण्ठा विद्यमान है।
(ङ) समाज में वैज्ञानिक व तार्किक चर्चा का अभाव एवं रूढ़ीवादी तत्वों का बोलबाला।

निहितार्थ :
(क) जिस व्यक्ति पर लिंचिंग की गई है, उसके व्यक्तिगत अधिकारों का दमन।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ख) सामाजिक सौहार्द्र एवं पुराने सामाजिक ताने - बाने पर कुठाराघात।

(ग) कानून- व्यवस्था पर बढ़ता अविश्वास।

(घ) एक प्रभाव यह भी पड़ता है कि अल्पसंख्यकों में भी गौ- हत्या आदि के कारण भीड़ की हत्या आदि की प्रवृत्ति के कारण अविश्वास व्याप्त हो जाता है और यह अविश्वास संविधान के धर्मनिरपेक्षता के मूल्य पर प्रश्न चिह्न लगाता है।

(ङ) संस्थानों की विश्वसनीयता कटघरे में आ जाती है क्योंकि संस्थाओं द्वारा इस सन्दर्भ में कोई विशेष प्रयास नहीं किये जा रहे।

(च) बहुसंख्यकों द्वारा अल्पसंख्यकों के सांस्कृतिक अधिकारों पर वस्तुनिष्ठ बहुसंख्यक अधिकारों के थोपे जाने की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया जाना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ह) देश के स्तर पर भी राष्ट्रीय एकता के खतरे खड़े हो सकते हैं। साथ ही देश की छवि का अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर खराब संदेश जाता है जो कि 'पर्यटन हानि' आदि के रूप में प्रकट होती है।

सोशल मीडिया की भूमिका :-

(क) फेक न्यूज के द्वारा
(ख) हेट स्पीच आदि के द्वारा जनता की भावनाओं को भड़काने में।
(ग) सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर किसी भी घटना को बिना सत्यापन के उजागर किया जाता है। हालिया कर्नाटक में हुई लिंचिंग की घटना बाल अपहरण के झूठे मुद्दे से शुरू हुई थी।
(घ) सोशल मीडिया ने झूठी खबरों को रोकने के बजाय फैलाने का कार्य किया है।
(ड.) उचित विनियमन के अभाव में इस पर नियंत्रण लगाना भी कठिन है।

रोकने के उपाय :- कानून प्रवर्तन अधिकारी के रूप में
(क) सोशल मीडिया के द्वारा सकारात्मक संदेशों का प्रचार करना एवं लोगों से खबरों की पड़ताल करके विश्वास करने की अपील करना।
(ख) मॉब लिंचिंग पर 'ज़ीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाकर भीड़ पर नियंत्रण हेतु बल प्रयोग (यदि आवश्यक हो) तो करना।
(ग) धारा 129 (IPC) का उचित उपयोग।
(घ) अखबारों आदि में भी उचित जानकारियाँ छपवाकर लोगों को जागरूक करना।
(ङ) एक उचित सेल का निर्माण करना ताकि लोग वहाँ पहुँचकर किसी भी खबर को सत्यापित कर सकें।
(च) धार्मिक नेताओं का समर्थन लेकर लोगों की अभिवृत्ति परिवर्तन का प्रयास।
(छ) लिंचिंग प्रभावित व्यक्ति व उसके परिजनों को उचित मुआवजा व सुरक्षा का प्रावधान करना।
अतः इन प्रयासों के द्वारा मॉब लिंचिंग रूपी जिन्न पर नियंत्रण लगाया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. We live in a time when almost everything can be bought and sold. Over the past few years, markets and market values have come to govern our lives as never before. Today the logic of buying and selling no longer applies to material good alone but increasingly governs the whole of life. However, there is a wide spread realization that markets have become detached from morals and we need to somehow reconnect them. The use of markets to allocate social goods has also been a cause of concern. In this context, answer the following: **20**

हम ऐसे युग में रह रहे हैं जहाँ लगभग हर चीज को खरीदा और बेचा जा सकता है। पिछले कुछ वर्षों के दौरान, बाजार और बाजार मूल्य हमारे जीवन को ऐसे नियंत्रित करने लगे हैं जैसा पहले कभी नहीं था। आज खरीद और बिक्री का तर्क अब केवल भौतिक वस्तुओं पर ही लागू नहीं होता है बल्कि उत्तरोत्तर संपूर्ण जीवन को नियंत्रित कर रहा है। हालांकि, अब व्यापक तौर पर यह अनुभव होने लगा है कि बाजार नैतिकता विहीन हो गए हैं और हमें किसी प्रकार से उन्हें फिर से जोड़ने की आवश्यकता है। सामाजिक वस्तुओं को आबंटित करने के लिए बाजारों का उपयोग भी चिंता का एक कारण बन गया है। इस संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए:

(a) Is greed wholly a vice or a trait of character that has both positive and negative sides? Could you relate it to the utilitarian philosophy that emphasizes pursuit of self interest by individuals as the basis of economic well being?

क्या लालच पूर्णतया एक बुराई है या वह चारित्रिक विशेषता है जिसके सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पक्ष हैं? क्या आप इसे उपयोगितावादी दर्शन से जोड़ सकते हैं जो आर्थिक सुख के आधार के रूप में व्यक्तियों द्वारा स्वहित के अनुसरण पर बल देता है?

(b) Are there some things that money shouldn't buy? Illustrate with examples.

क्या ऐसी कुछ चीजें हैं जो पैसे से नहीं खरीदी जानी चाहिए? उदाहरण प्रस्तुत करते हुए समझाइए।

आज का युग उपभोक्तावाद, भौतिकतावाद, व्यक्तिवाद का युग है जहाँ कि उपभोग की संस्कृति मे लगभग हर चीज को बिकाऊ बना दिया है। इस स्थिति में प्रस्तुत प्रश्नों का जवाब निम्न प्रकार से दिया जा सकता है -

'लालच' की नैतिकता पर विचार करें तो कुछ पाश्चात्य विद्वानों जैसे हॉब्स ने मनुष्य को पूर्णतः एक स्वार्थी जीव माना है। उनके अनुसार मनुष्य अपने हर कार्य से स्वार्थ को पूरा करने का प्रयास करता है। बेंथम जैसे कुछ विचारकों ने इसी आधार पर 'सुखवाद' का भी प्रतिपादन किया जो सुख प्राप्ति के कृत्य को नैतिक मानते हैं।

यदि 'लालच' के पक्ष पर विचार करें तो लालच के कारण ही व्यक्ति वस्तुओं की इच्छा करता है और यही वस्तुएँ इसे सुख प्रदान करती है।

सकारात्मक ← लालच	लालच → नकारात्मक
- व्यक्ति को उद्यम करने हेतु प्रेरित करता है	- लालच का अंत नहीं है (महात्मा गांधी)
- सुखों की प्राप्ति में सहयोग करता है जो सुखवाद का मूल उद्देश्य है	- लालच आगे बढ़कर चोरी, हिंसा

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- बाजार व्यवस्था को नैतिक मानता है जो उपयोगितावादी दृष्टि से भी उचित है	असहिष्णुता को जन्म देता है - प्रकृति के संसाधन सीमित है जबकि लालच असीमित।

अतः 'लालच' मनुष्यों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है परन्तु अपनी असीमिता की वजह से यह एक आवश्यक बुराई भी है।

उपयोगितावादी दर्शन मूलतः 'महत्तम व्यक्तियों के महत्तम लाभ' पर बल देता है जिसके अनुसार वही कृत्य श्रेष्ठ है जो दीर्घकालीन एवं महत्तम लाभ प्रदान करे।

+ मनुष्य मूलतः लालची व स्वार्थी →
↓
वस्तुओं की इच्छाएँ व लालच → पूर्ति होती है तो → सुख मिलता है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

↳ सुखवाद → सुखवाद की सीमाएँ
↓
"महत्तम व्यक्तियों का ← उपयोगितावाद
महत्तम सुख"

हालांकि लालच रूपी उपयोगितावाद के कुछ नकारात्मक प्रभाव हैं-
- आज का लालच भविष्यों के दुष्प्रभावों का मापन नहीं कर पाता। क्या पता वह लाभ महत्तम व्यक्तियों का भविष्य में साबित न हो। उदाहरण के लिए औद्योगिक क्रान्ति के फलस्वरूप जलवायु परिवर्तन।

(b) यदि सामाजिक वस्तुओं के स्तर पर बात करें तो 'शिक्षा' ऐसी वस्तु है जिसका व्यवसायीकरण नहीं किया जाना चाहिये क्योंकि-
- शिक्षा का मूल उद्देश्य व्यक्ति को ज्ञान प्रदान करना है। मुद्रा आधारित शिक्षा

असमानता पैदा करती है सरकार को चाहिये की शिक्षा व्यवस्था में निवेश कर इसे जनसामान्य को उपलब्ध कराए। पूंजीवादी अर्थव्यवस्था में ज्ञान पण्य योग्य वस्तु बन गया है, जो दीर्घकालिक रूप से नुकसान-दायक है।

- आजकल लोग प्रेम के मूल्य भी पैसों से खरीद रहे हैं (वेश्या वृत्ति)। इस प्रकार की प्रवृत्तियाँ अजनबी, संत्रास पैदा कर रही हैं। व्यक्ति के मन में भावनाओं का अभाव हो रहा है इसे ही एरिक फ्रॉम ने 'नैतिक अकेलापन' कहा है।

इस प्रकार अभी भी ऐसी वस्तुएँ बाकी हैं जिनका मूल्य पैसों में नहीं आँका जा सकता और आँकने के दुष्प्रभाव सामने आयेंगे।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. You are the head of a policy think-tank. There is a proposal to cut down more than 10,000 trees to build a residential colony in the capital of the country. The city has one of the highest homeless population in the country and the settlement will be used for them. This news has generated a lot of public debate. While on the one hand is the need to expand urban infrastructure in order to meet the demands of the growing population, on the other, is the environmental concern. In last ten years, the city has lost more than half of its green cover and has seen increased frequency of extreme climatic events. You are asked to deliver a lecture for the policymakers and concerned citizens, in which you have to specifically deal with the following questions: **20**

आप एक पॉलिसी थिंक टैंक (नीतिगत विचार मंच) के प्रमुख हैं। देश की राजधानी में एक आवासीय कॉलोनी बनाने के लिए 10,000 से अधिक पेड़ों को काटने का एक प्रस्ताव है। इस शहर में देश की सबसे बड़ी बेघर आबादी में से एक रहती है और उनके लिए इस बसावट का उपयोग किया जाएगा। इस समाचार ने काफी सार्वजनिक वाद-विवाद को जन्म दिया है। जहां एक तरफ बढ़ती आबादी की मांग को पूरा करने के लिए शहरी आधारभूत अवसंरचना का विस्तार करने की आवश्यकता है, वहीं दूसरी तरफ पर्यावरण संबंधी चिंताएं भी हैं। पिछले दस वर्षों में, इस शहर ने अपना आधे से अधिक हरित अच्छादन को खो दिया है और चरम जलवायविक घटनाओं की आवृत्ति में वृद्धि देखी है। आपसे नीति निर्माताओं और संबंधित नागरिकों को एक व्याख्यान देने के लिए कहा जाता है, जिसमें आपको विशेष रूप से निम्नलिखित प्रश्नों से निपटना है:

(a) Why do you think such situations arise in the first place where developmental activities and environmental concerns often come out as antithetical to each other?

आपके विचार में ऐसी स्थितियां प्रथम दृष्टया उत्पन्न ही क्यों होती हैं जहाँ विकासात्मक गतिविधियां और पर्यावरणीय चिंताएँ अक्सर एक-दूसरे के द्वंद्व के रूप में सामने आती हैं?

(b) What should be the short-term and long-term solutions for tackling such situations?

ऐसी स्थितियों से निपटने के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक समाधान क्या होने चाहिए?

(c) What are the potential benefits of inculcating environmental concerns in the policy making and planning process?

नीति निर्माण और नियोजन प्रक्रिया में पर्यावरणीय चिंताओं को अंतर्निविष्ट करने के संभावित लाभ क्या हैं?

यह केस मुख्य रूप से 'पर्यावरण बनाम विकास' के साथ-साथ 'विकास की अधूरी संकल्पना' के प्रश्नों को

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उघाड़ता है। अपने व्याख्यान में मैं प्रथम प्रश्न के उपलक्ष्य में निम्न कथन प्रेषित करूँगा।

(क) वस्तुतः इस प्रकार की स्थितियाँ 'विकास की अधूरी संकल्पना' के फलस्वरूप उत्पन्न होती है जिसमें विकास के आयाम को केवल आर्थिक पक्ष तक सीमित कर दिया जाता है। यह आयाम विषमता उत्पन्न करने के साथ-साथ पर्यावरणीय समस्याएँ भी उत्पन्न करता है।

(ख) दूसरा पक्ष विकास की इस अंधी दौड़ में पर्यावरणीय पक्षों को नदारद कर देने का है जिसका परिणाम आज जलवायु परिवर्तन, बढ़ती आपदाओं (उत्तराखंड की बाढ़, हालिया केरल बाढ़) के रूप में देखने को मिल रहा है।

(ग) 'अति भौतिकतावाद' व 'व्यक्तिवादी' विचारों के परिणामस्वरूप उपभोग

पर अत्यधिक बल दिया जाना एवं प्रकृति को 'साध्य' न मानकर 'साधन' के रूप में मानकर उसका शोषण करना।

(घ) 'अस्तित्व व विकास' में विकास को प्राथमिकता देकर अस्तित्व को नकारने की प्रवृत्ति का व्याप्त होना।

ऐसी समस्या से निपटने के उपाय

अल्पकालिक :-

- ~~एक आर्थिक विकास की नीति बनायी जाये~~
- उपयोगितावादी नज़रिये से देखने पर एकबारगी तो गरीब लोगों का कल्याण हो सकता है परन्तु पेड़ों को काटकर इस लाभ को सतत नहीं बनाया जा सकता। इसलिए दीर्घकालीन हानि से बचने हेतु यह विचार आगे नहीं बढ़ाना चाहिये।
- शहरी अवसंरचना विकास के लिये बेनामी जमीनों का उपयोग किया जा सकता है
- अगर हो, अत्यन्त आवश्यक हो तो पहले अन्य स्थान पर उससे दुगुनी मात्रा में

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

पेड़ लगाये जायें एवं उस स्थान का संपूर्ण 'पर्यावरण प्रभाव आकलन' (EIA) करवाकर ही इसे मंजूरी दी जाये।

दीर्घकालिक:-

(क) आर्थिक विकास में पर्यावरण पक्ष को सम्मिलित करना।

(ख) सभी पर्यावरणीय परियोजनाओं में EIA व रणनीतिक पर्यावरणीय आकलन (SEA) अनिवार्य करना।

(ग) अस्तित्व व विकास में अस्तित्व को प्राथमिकता देना। विकास में भी उस मॉडल को प्राथमिकता देना जो दीर्घकालिक व सततता प्रदान करे।

(घ) बेघर लोगों को आवास प्रदान करने हेतु आवास नीति बनायी जाये। स्लम सुधार, बेकार पड़ी भूमि का उपयोग किया जाए न कि जंगली जमीन का।

नीति-निर्माण में पर्यावरणीय चिंताओं के

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

समावेशन के लाभ

(क) विकास सतत होगा न कि अल्पकालिक।

(ख) 'अस्तित्व' की रक्षा कर पायेंगे।

(ग) अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर छवि में सुधार होगा। पर्यावरण स्तर पर वैश्विक नेतृत्व कर पायेंगे।

(घ) पर्यावरण संरक्षण की संस्कृति विकसित होगी जो आगे चलकर अति उपभोगवादी प्रवृत्तियों पर भी अंकुश लगाने का कार्य करेगी।

(ङ) जलवायु परिवर्तन एवं बढ़ती आपदाओं की हानियों से भी बचा जा सकेगा।

इस प्रकार भिन्न स्तरों पर चर्चा कर हम पर्यावरणीय व सामाजार्थिक विकास के पहलुओं में दुविधा को हल कर सतत विकास की ओर बढ़ सकते हैं।

13. You are a young athlete representing India at an international-level competition. During the competition, you witness a few senior athletes injecting something using a syringe, in private. When you approach them, they explain that it is a performance enhancing drug, which is very common in such competitions and you should take the same as well. You are in fear and decide to approach the coach to discuss the event you witnessed. However, you get to know that the athletes are taking the drug at the advice of the coach himself. **20**

आप एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतिस्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे एक युवा एथलीट हैं। प्रतियोगिता के दौरान, आप कुछ वरिष्ठ एथलीटों को एकांत में सीरिंज का उपयोग करके कुछ इंजेक्ट करते हुए देखते हैं। जब आप उनसे संपर्क करते हैं, तो वे बताते हैं कि यह प्रदर्शन बढ़ाने वाली दवा है, जो ऐसी प्रतियोगिताओं में बहुत आम है और आपको भी इसे लेना चाहिए। आप डर जाते हैं और आप देखी गई घटना पर चर्चा करने के लिए कोच से संपर्क करने का निर्णय लेते हैं। हालांकि, आपको पता चलता है कि एथलीट स्वयं कोच के परामर्श पर दवा ले रहे हैं।

(a) What would you do in this scenario? Discuss the options available to you and chart your course of action.

इस परिदृश्य में आप क्या करेंगे? अपने लिए उपलब्ध विकल्पों पर चर्चा कीजिए और अपनी कार्यवाही की योजना का विवरण दीजिए।

(b) Why do you think use of unfair means to enhance performance is common in competitive sporting event? How can this practice be minimized?

आप क्यों मानते हैं कि प्रदर्शन बढ़ाने के लिए अनुचित साधनों का उपयोग प्रतिस्पर्धी खेल आयोजनों में आम है? यह प्रथा किस प्रकार कम की जा सकती है?

उपर्युक्त केस के समय में 'अच्छा बनाम उचित', 'व्यक्तिगत लाभ बनाम नियम', खेल नैतिकता के द्वन्द्व के रूप में मेरे सामने दुविधाएँ विद्यमान हैं। अतः इस स्थिति में मेरे पास निम्न विकल्प है -

① यथास्थिति रहने दूँ। व खुद दवा का उपयोग करूँ।

② खुद दवा न लेकर यथास्थिति रहने दूँ।

③ एंटी डोपिंग एजेंसियों से संपर्क करूँ।

विकल्प	लाभ	हानि
(1) यथास्थिति + दवा प्रयोग	- तात्कालिक लाभ - प्रदर्शन बढ़ेगा। - देश का नाम रोशन	- खेल नैतिकता के खिलाफ - अल्पकालिक लाभ - अगर पकड़ा जाता हूँ तो प्रतिबंध - देश की छवि भी खराब होगा।

अतः पहला विकल्प उचित नहीं है

विकल्प	हानि	लाभ
(2) यथास्थिति पर दवाप्रयोग न कर	- विकल्प एक की सभी हानियाँ तो होंगी ही, बुरे का विरोध न कर पाने के कारण मानसिक अन्तर्विरोध का सामना भी करना पड़ेगा	- खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करेंगे - कोच की भी स्वीकृति है

अतः विकल्प दो का चयन भी मैं नहीं करूँगा।

विकल्प-3 :- एंटी डोपिंग एजेंसी से संपर्क करने से पहले मैं उच्चाधिकारियों के पास जाऊँगा। उनसे पहले मेरे पास

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कोच व खिलाड़ियों के पास जाने का विकल्प होगा । मैं उनसे कहूँगा कि वे इस दवा का सेवन बंद कर स्वयं को टूर्नामेंट से अलग कर लें क्योंकि

(क) हो सकता है तुम्हें अल्पकालिक लाभ हो, तुम्हारा प्रदर्शन अच्छा हो जाये, परन्तु दीर्घकाल में पकड़े जा सकते हो, लाभ को सतत बनाये नहीं रख पाओगे ।

(ख) खेल वैश्विक है, राज्य विश्व के अंदर है। ऐसा करके तुम संपूर्ण खेल की साख को खत्म कर दोगे क्योंकि

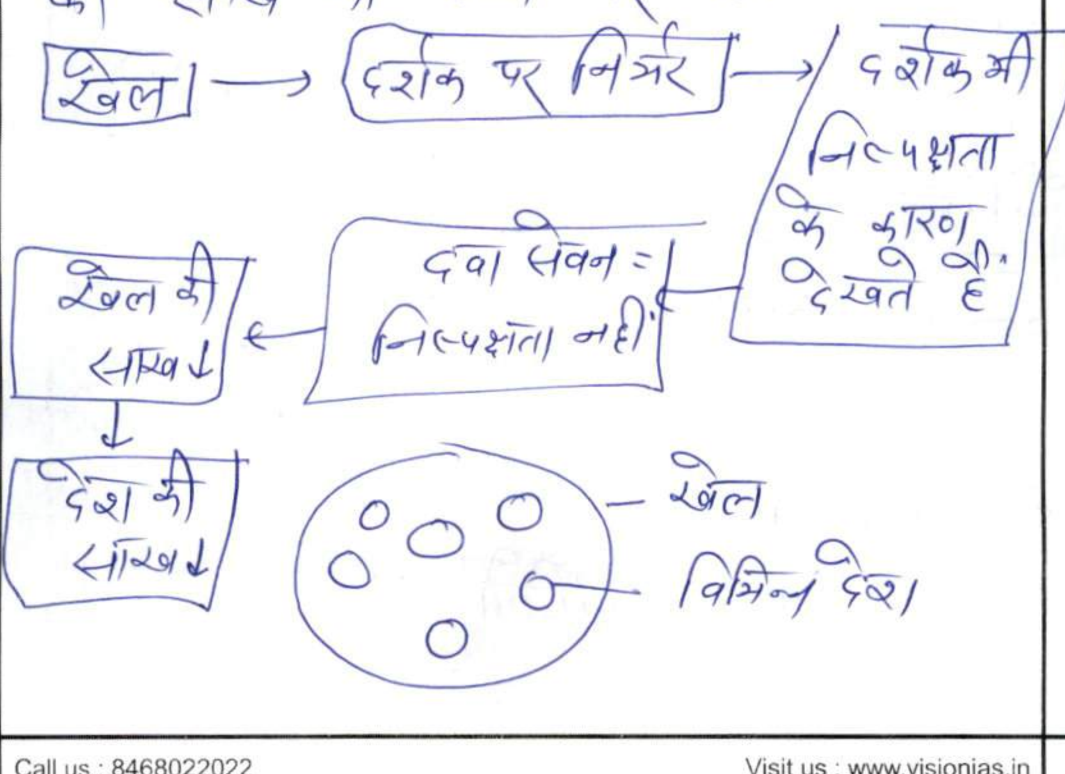

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) स्पोर्ट्समैनशिप के विभिन्न मूल्यों को देखते हुए भी उन्हें ये दवाएँ सेवन नहीं करनी चाहिये।
अगर मान जाते हैं तो ठीक
↓
नहीं तो मैं उच्चाधिकारियों के पास जाकर शिकायत करने का एकमात्र विकल्प बचेगा क्योंकि खेल, देश व नैतिकता के लिये यही कदम उचित होगा।

प्रतिबंधात्मक साधनों (प्रदर्शन बढ़ाने वाले) का खेलों में आम प्रयोग के कारण

1. नैतिकता का अभाव
2. जानकारी का अभाव
3. प्रसिद्धि कामना की इच्छा
4. खेल नैतिक मूल्यों का अभाव यथा- निष्पक्षता, तटस्थता आदि
5. स्वार्थी स्वभाव प्रकृति का होना।
6. एंटी डोपिंग एजेंसियों की कम सक्रियता

इस प्रथा को कम करने के उपाय

(क) प्रत्येक खिलाड़ी को उसके खेल के नैतिक पक्षों व मूल्यों के विकास हेतु प्रशिक्षण प्रदान करना जैसे -
- जीत का श्रेय सबको देना
- खेल के नियमों का पालन करना।
- हार की जिम्मेदारी खुद पर लेना।

(ख) धोनी, मेसी, कुमार संगकारा, राहुल द्रविड़ जैसे खिलाड़ियों के उदाहरण प्रस्तुत करना।

(ग) खिलाड़ियों को सभी दवाओं आदि की पूरी जानकारी प्रदान कर उन्हें इनके दुष्प्रभावों की जानकारी देना। व इनके प्रयोग न करने की जिम्मेदारी कोच व कप्तान पर डालना।

(घ) प्रत्येक खिलाड़ी की समयबद्ध जाँच

(ङ) एंटी डोपिंग एजेंसियों की सक्रियता निचले स्तरों पर भी बढ़ाना।

इन उपायों से ऐसी प्रथाओं को कम किया जा सकता है

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. You have been appointed by Election Commission as a booth level officer to oversee the conduct of elections in a remote and under-developed area. For the preparations of elections, you have been instructed to ensure maximum voter turnout. For this, you conduct a series of meetings with the people in villages encouraging them to vote in large numbers. However, they confront you with the fact that despite so many previous elections, the promises made by representatives remain unfulfilled and even the basic necessities of livelihood are not available. As such, they are ignorant of your appeals and are subsequently not forthcoming even to listen to you, let alone giving assurances to vote. Based on this information, answer the following questions: **20**

आपको निर्वाचन आयोग द्वारा एक दूरस्थ और अल्पविकसित क्षेत्र में चुनाव आयोजन की निगरानी करने के लिए बूथ स्तर का एक अधिकारी नियुक्त किया गया है। चुनाव की तैयारी के लिए, आपको अधिकतम मतदान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। इसके लिए, आप गांवों के लोगों के साथ उन्हें बड़ी संख्या में मतदान करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए बैठकों की एक श्रृंखला आयोजित करते हैं। हालांकि, वे इस तथ्य से आपका सामना कराते हैं कि पिछले कई चुनावों के बावजूद, प्रतिनिधियों द्वारा किए गए वादे पूरे नहीं हुए हैं और यहां तक कि आजीविका की मूलभूत आवश्यकताएं भी उपलब्ध नहीं हैं। इस प्रकार, वे आपकी अपीलों की उपेक्षा करते हैं और बाद में मतदान का आश्वासन तो दूर, आपको सुनने तक के लिए नहीं आते हैं। इस जानकारी के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए:

(a) Identify the stakeholders in the situation along with their interests.

इस स्थिति में हितधारकों की उनके हितों के साथ पहचान कीजिए।

(b) What are the factors that you will take into account to convince the people and ensure maximum voter turnout?

आप लोगों को मनाने और अधिकतम मतदान सुनिश्चित करने के लिए किन कारकों को ध्यान में रखेंगे?

उपर्युक्त केस स्टडी राजनीतिज्ञवादों व उनके पूरा न होने की संपूर्ण खामियाँ पेश करती है। एक बूथ अधिकारी होने के नाते मेरे ~~पास~~ ऊपर ~~बिल्कुल~~ यह जिम्मेदारी है कि मैं उनसे मतदान करवाना सुनिश्चित करवाऊं।

प्रमुख हितधारक	हित
(क) गाँव के लोग	→ अपेक्षाओं की पूर्णता → आर्थिक विकास → मूलभूत आवश्यकताओं के पूर्ण न होने से उत्पन्न खीज।
(ख) राजनीतिक दल	→ वोट बटोरने के लिये मतदान ज़रूरी → जनता की अपेक्षाओं को पूरा करना - चुनाव जीतने हेतु।
(ग) चुनाव आयोग	- मतदान सुनिश्चित करवाना - आचार संहिता उचित रूप में लागू करवाना - झूठे वादे न किये जाएँ इसका ध्यान रखना
(घ) संपूर्ण भारत के लोग	- लोकतांत्रिक मूल्यों व संविधान की प्रस्तावना 'हम भारत के लोग' की प्रासंगिकता बनाये

रखने का हित।

- अधिकतम मतदान सुनिश्चित कराने हेतु ध्यान दिये जाने वाले कारक :-

(क) सबसे पहले चुनाव आचार संहिता में यह प्रावधान है कि जन प्रतिनिधि जनता से अविश्वसनीय व पूरे न होने वाले वादे नहीं करेंगे। इस आधार पर मैं प्रयास करूँगा कि इस प्रावधान के तहत कोई कार्यवाही करूँ।

(ख) मीडिया व एन-जी-ओ :- मीडिया को बुलाकर इस बात का प्रचार जनता व राजनीतिक दलों में करना। चूंकि चुनाव का समय है और दल की छवि उसके लिये सबसे ज्यादा ज़रूरी होती है अतः वे इस समस्या को हल करने ज़रूर आयेंगे। (राजनीतिक दलों पर अप्रत्यक्ष दबाव)

(ग) ग्रामीणों के नेता से बात करना :- मैं नेता से बात करके उन्हें यह सलाह

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

चूंकि आप पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक दलों द्वारा किये गये वादों व उनके द्वारा किये गये कार्यों की पूरी लिस्ट बनाकर मीडिया में दें ताकि दल का ध्यान आपकी अपेक्षाओं पर पड़े।

साथ ही नेता से अपील करूँगा कि वह गांव वालों से मतदान करने हेतु सहयोग करें क्योंकि-

(i) अगर आप 'शत प्रतिशत' मतदान करते हैं तो आपके गाँव का नाम चमकेगा तो संभव है कि राजनीतिक दलों की नज़र आपके गाँव पर जाये।

(ii) ऐसा करने से मीडिया व नागरिक समाज भी आपकी समस्याओं पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर सरकार पर दबाव बना सकते हैं।

(iii) चूंकि आप प्रतिनिधि (सरपंच) हैं। आपका निर्वाचन भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

के तहत हुआ है। अतः इस लोकतंत्र की रक्षा हेतु आपकी भी जिम्मेदारी बनती है। और ये कार्य आपको आगामी पंचायत चुनाव में भी लाभ पहुँचायेगी।

इस प्रकार मैं नेता को आर.टी.आई आदि की सलाह देकर कण्ड आवेदन की जाँच करने को भी कहूँगा ताकि सारी समस्या को समझा जा सके।

उम्मीद है कि मेरे इन प्रयासों से गाँव वाले मतदान करेंगे और राजनेताओं पर भी दबाव बढ़ेगा कि वे अपने कथनी व करनी में अंतर न रख जनकल्याण के कार्य करें।